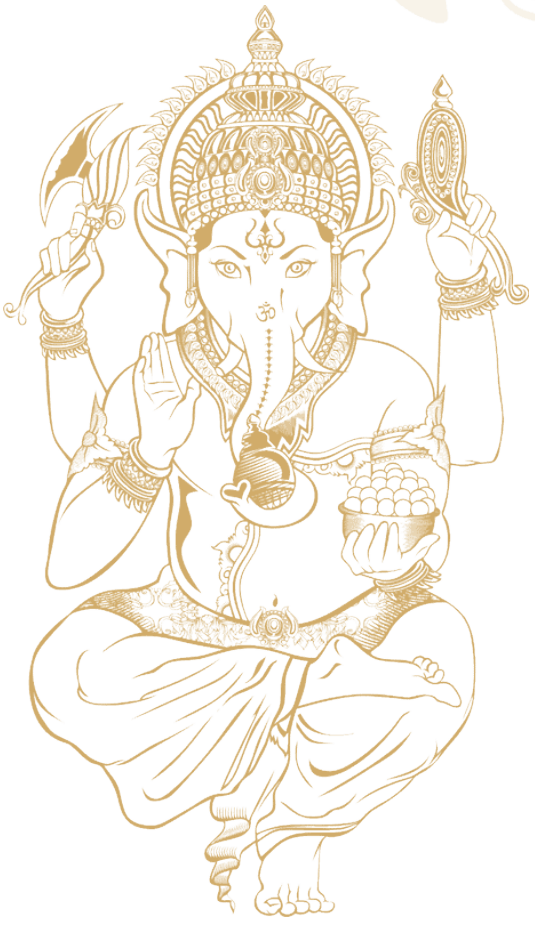

Priya

06 Jun 2001

07:30 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121544902

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**06/06/2001**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**07:30:00 घंटे**
इष्ट	05:17:26 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:08:52 घंटे
वेलान्तर	00:01:22 घंटे
साम्पातिक काल	00:07:06 घंटे
सूर्योदय	05:23:01 घंटे
सूर्यास्त	19:16:44 घंटे
दिनमान	13:53:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:34:15 वृष
लग्न के अंश	19:56:10 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	साध्य
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	या-यामिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:56:10	314:47:18	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			वृष	21:34:15	00:57:24	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	21:44:25	12:45:06	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	नीच राशि
मंगल	व	अ	धनु	01:14:59	00:17:12	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध	व		मिथु	05:57:48	00:08:14	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	स्वराशि
गुरु			वृष	27:41:40	00:13:49	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	05:47:49	00:56:34	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
शनि		अ	वृष	11:58:53	00:07:42	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	12:29:40	00:01:36	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	12:29:40	00:01:36	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		कुंभ	00:56:36	00:00:22	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप	व		मक	14:43:34	00:00:48	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	20:00:24	00:01:37	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	08:03:19	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:19

लग्न-चलित

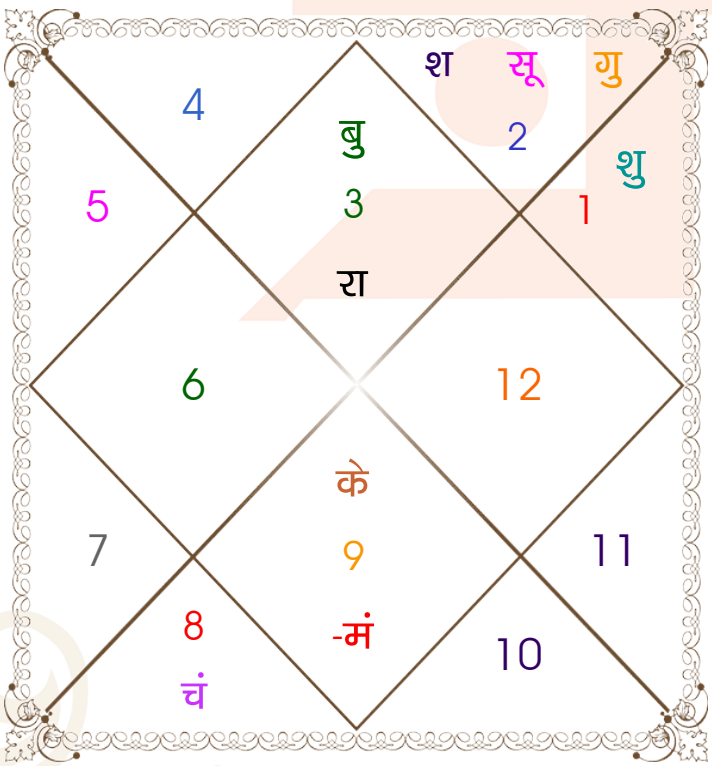

चन्द्र कुंडली

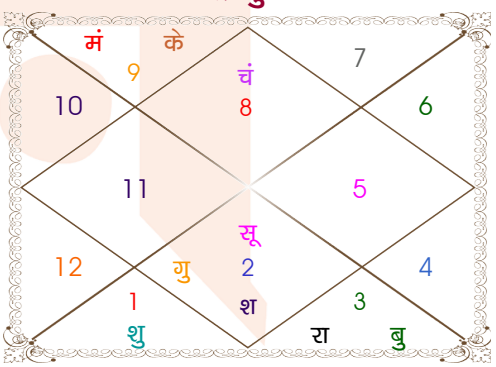

नवमांश कुंडली

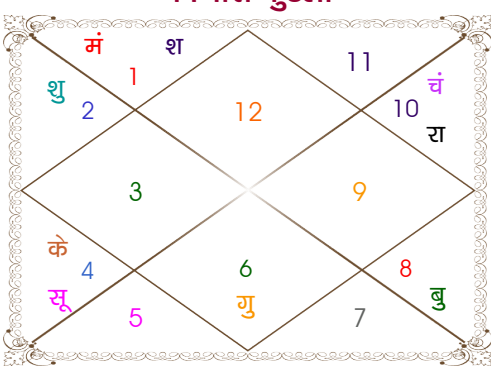

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 10 वर्ष 6 मास 11 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
06/06/2001		17/12/2011		17/12/2018		17/12/2038		17/12/2044	
17/12/2011		17/12/2018		17/12/2038		17/12/2044		17/12/2054	
	00/00/0000	केतु	14/05/2012	शुक्र	18/04/2022	सूर्य	06/04/2039	चंद्र	17/10/2045
	00/00/0000	शुक्र	15/07/2013	सूर्य	18/04/2023	चंद्र	05/10/2039	मंगल	18/05/2046
	06/06/2001	सूर्य	19/11/2013	चंद्र	17/12/2024	मंगल	10/02/2040	राहु	17/11/2047
सूर्य	16/01/2002	चंद्र	21/06/2014	मंगल	16/02/2026	राहु	04/01/2041	गुरु	18/03/2049
चंद्र	18/06/2003	मंगल	17/11/2014	राहु	15/02/2029	गुरु	23/10/2041	शनि	17/10/2050
मंगल	14/06/2004	राहु	05/12/2015	गुरु	17/10/2031	शनि	05/10/2042	बुध	18/03/2052
राहु	01/01/2007	गुरु	10/11/2016	शनि	17/12/2034	बुध	12/08/2043	केतु	17/10/2052
गुरु	08/04/2009	शनि	20/12/2017	बुध	17/10/2037	केतु	17/12/2043	शुक्र	17/06/2054
शनि	17/12/2011	बुध	17/12/2018	केतु	17/12/2038	शुक्र	17/12/2044	सूर्य	17/12/2054

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
17/12/2054		17/12/2061		17/12/2079		17/12/2095		18/12/2114	
17/12/2061		17/12/2079		17/12/2095		18/12/2114		00/00/0000	
मंगल	15/05/2055	राहु	29/08/2064	गुरु	04/02/2082	शनि	20/12/2098	बुध	16/05/2117
राहु	02/06/2056	गुरु	23/01/2067	शनि	17/08/2084	बुध	30/08/2101	केतु	13/05/2118
गुरु	09/05/2057	शनि	29/11/2069	बुध	23/11/2086	केतु	09/10/2102	शुक्र	13/03/2121
शनि	17/06/2058	बुध	17/06/2072	केतु	30/10/2087	शुक्र	09/12/2105	सूर्य	07/06/2121
बुध	15/06/2059	केतु	05/07/2073	शुक्र	30/06/2090	सूर्य	21/11/2106		00/00/0000
केतु	11/11/2059	शुक्र	05/07/2076	सूर्य	18/04/2091	चंद्र	21/06/2108		00/00/0000
शुक्र	10/01/2061	सूर्य	30/05/2077	चंद्र	17/08/2092	मंगल	31/07/2109		00/00/0000
सूर्य	18/05/2061	चंद्र	29/11/2078	मंगल	24/07/2093	राहु	06/06/2112		00/00/0000
चंद्र	17/12/2061	मंगल	17/12/2079	राहु	17/12/2095	गुरु	18/12/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 10 वर्ष 6 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।